भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5380
उत्तर देने की तारीख 03.04.2025

ज़ीरो डिफेक्ट ज़ीरो इफेक्ट

†5380. डॉ. बायरेड्डी शबरीः

क्या सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान ज़ीरो डिफेक्ट ज़ीरो इफेक्ट (जेडईडी) प्रमाणन प्राप्त करने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की राज्यवार और वर्षवार संख्या कितनी है;

(ख) आंध्र प्रदेश में कांस्य, रजत, स्वर्ण, हीरा और प्लेटिनम प्रमाणन प्राप्त करने वाले एमएसएमई की जिलावार संख्या कितनी है;

(ग) राज्यों में जेडईडी प्रमाणन को बढ़ावा देने के लिए वर्षवार आवंटित, स्वीकृत और उपयोग की गई कुल निधि कितनी है;

(घ) आंध्र प्रदेश में जेडईडी प्रमाणन के लिए आवेदन करने वाले उन एमएसएमई की राज्यवार और जिलावार संख्या कितनी है जिनका अनुमोदन अभी तक लंबित है; और

(ङ) क्या सरकार ने जेडईडी प्रमाणन के एमएसएमई प्रतिस्पर्धात्मकता, निर्यात और निरंतरता पर होने वाले प्रभाव के संबंध में कोई आकलन किया है और यदि हां, तो इसके मुख्य निष्कर्ष क्या हैं?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करांदलाजे)

क): दिनांक 28.04.2022 को एमएसएमई सतत (जेड) प्रमाणन स्कीम का शुभारंभ किया गया। दिनांक 28.03.2025 का स्थिति के अनुसार जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (जेड) प्रमाणन प्राप्त करने वाले सूक्ष्मलघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की संख्या 2,83,515 है। राज्य-वार एवं वर्ष-वार ब्यौरा **अनुबंध-I** पर दिया गया है।

ख): संशोधित जेड स्कीम अर्थात् एमएसएमई सतत (जेड) प्रमाणन स्कीम में प्रमाणन के केवल तीन स्तर अर्थात् कांस्य, रजत और स्वर्ण हैं। आंध्र प्रदेश राज्य में प्रमाणित एमएसएमई का जिला-वार ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है।

ग): एमएसएमई सतत (जेड) प्रमाणन स्कीम एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है। एमएसएमई चैंपियंस स्कीम और एमएसएमई चैंपियंस रैंप (एमएसएमई कार्य-निष्पादन का उत्थान और गतिवर्धन)-ईएपी के अंतर्गत एमएसएमई सतत (जेड) प्रमाणन स्कीम के लिए आवंटित, संस्वीकृत और प्रयुक्त कुल वर्ष-वार निधियां निम्नानुसार हैं:

वित्तीय वर्ष	आंवटित/संस्वीकृत निधियां (करोड़)	व्यय (करोड़)
2022-23	27.30	27.30
2023-24	192.79	192.79
2024-25	241.24	241.24

घ): जिन एमएसएमई ने जेड प्रमाणन के लिए आवेदन किया है, लेकिन अनुमोदन अभी तक लंबित हैं, उनकी संख्या शून्य है।

ङ): जेड प्रमाणन स्कीम जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (जेड) पद्धतियों को बढ़ावा देती है, एमएसएमई को न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ गुणवत्ता विनिर्माण को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। सरकार ने जेड प्रमाणन स्कीम पर किसी तीसरे पक्ष के प्रभाव का आकलन नहीं किया है। तथापि, आंतरिक मूल्यांकन से पता चलता है कि जेड प्रमाणन स्कीम गुणवत्ता, पर्यावरण, सुरक्षा, सफाई और स्वच्छता के विषय में जागरूकता बढ़ाने में सक्षम रही है, तथा दोषों (डिफेक्ट) और अस्वीकृतियों में कमी लाने में भी योगदान दिया है।

****

अनुबंध-I

दिनांक 28 मार्च, 2025 तक की स्थिति के अनुसार, इसके शुभारंभ अर्थात दिनांक 28.04.2022 से जेड प्रमाणनों (राज्य-वार और वर्ष-वार) की संख्या:

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**जेड प्रमाणन (2022-23)**	**जेड प्रमाणन (2023-24)**	**जेड प्रमाणन (2024-25)**
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	2	0	0
2	आंध्र प्रदेश	19	5680	4280
3	अरुणाचल प्रदेश	0	0	1
4	असम	11	1675	1059
5	बिहार	54	16017	4733
6	चंडीगढ़	0	682	22
7	छत्तीसगढ़	10	1924	785
8	दिल्ली	35	867	452
9	गोवा	7	10	4
10	गुजरात	125	38383	18342
11	हरियाणा	135	11207	3467
12	हिमाचल प्रदेश	96	914	844
13	जम्मू और कश्मीर	8	771	1944
14	झारखंड	26	1670	196
15	कर्नाटक	434	33869	12936
16	केरल	52	2419	990
17	लद्दाख	2	4	2
18	लक्षद्वीप	0	0	0
19	मध्य प्रदेश	26	7359	4484
20	महाराष्ट्र	328	10278	9494
21	मणिपुर	2	1	1
22	मेघालय	0	1	1
23	मिजोरम	0	0	0
24	नागालैंड	2	0	31
25	ओडिशा	62	847	183
26	पुदुचेरी	10	170	46
27	पंजाब	597	9414	5688
28	राजस्थान	94	8299	8594
29	सिक्किम	0	1	0
30	तमिलनाडु	794	7559	2469
31	तेलंगाना	30	2435	2466
32	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	13	13	173
33	त्रिपुरा	0	229	37
34	उत्तर प्रदेश	89	9817	18136
35	उत्तराखंड	17	516	292
36	पश्चिम बंगाल	80	3286	1886
	सकल योग	**3,160**	**1,76,317**	**104038**

अनुबंध-II

दिनांक 28 मार्च, 2025 तक की स्थिति के अनुसार, इसके शुभारंभ अर्थात दिनांक 28.04.2022 से आंध्र प्रदेश राज्य में प्रमाणित एमएसएमई का जिला-वार ब्यौरा:

क्र.सं.	जिला	कांस्य	रजत	स्वर्ण	कुल प्रमाणन
1	अल्लूरी सीतारमा राजू	36	-	-	36
2	अनकापल्ली	1389	-	-	1389
3	अनंतपुर	623	-	-	623
4	अन्नमय्या	33	-	-	33
5	बापतला	146	-	-	146
6	चित्तूर	148	-	-	148
7	पूर्वी गोदावरी	1018	-	-	1018
8	एलुरु	116	-	-	116
9	गुंटूर	544	-	-	544
10	काकीनाडा	901	-	-	901
11	कोनासीमा	304	-	-	304
12	कृष्णा	168	1	-	169
13	कुरनूल	547	-	-	547
14	नांदयाल	95	-	-	95
15	एनटीआर	152	-	-	152
16	पलनाडु	105	-	-	105
17	प्रकाशम	465	-	-	465
18	एसपीएसआर नेल्लोर	149	-	1	150
19	श्री सत्य साई	54	-	-	54
20	श्रीकाकुलम	272	-	-	272
21	तिरुपति	190	-	-	190
22	विशाखापत्तनम	1946	2	-	1948
23	विजयनगरम	337	-	-	337
24	पश्चिम गोदावरी	167	-	-	167
25	वाई.एस.आर	69	1	-	70
	सकल योग	**9974**	**4**	**1**	**9979**